064

HD-03

December - Examination 2019

B.A. Pt. II Examination

हिंदी गद्य भाग – II (नाटक एवम् अन्य गद्य विधाएँ)

Paper - HD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) 'ध्रुवस्वामिनी' के अलावा जयशंकर प्रसाद के दो नाटकों के नाम लिखिए।

(ii) 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी में वर्णित समय एवं स्थान बताइए।

(iii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के 'चिंतामणि' संग्रह में संकलित निबंधों के प्रकार बताइए।

(iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी के अतिरिक्त दो ललित निबंधकारों के नाम लिखिए।

(v) पाठ्यक्रम में निर्धारित रांगेय राघव की रचना का नाम लिखिए एवं उसकी विधा का प्रकार बताइए।

(vi) पाठ्यक्रम में निर्धारित 'कलम का सिपाही' किस लेखक के जीवन पर आधारित है और उसके लेखक का क्या नाम है?

(vii) हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा के चार खण्डों के नाम लिखिए।

खण्ड – 'ब' **$4 \times 7 = 28$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) संस्मरण एवं रेखाचित्र में तात्विक अंतर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' निबंध में लेखक का मंतव्य स्पष्ट कीजिए।

4) 'भोलाराम का जीव' में निहित व्यंग्य का विश्लेषण कीजिए।

5) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु–सम्पत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव नहीं बचा सकते तो मुझे बेच भी नहीं सकते। हाँ, तुम लोगों को आपत्ति से बचाने के लिए मैं स्वयं यहाँ से चली जाऊँगी।

6) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

कभी–कभी आनंद का मूल विषय तो कुछ और रहता है, पर उस आनंद के कारण एक ऐसी स्फूर्ति होती है जो बहुत से कार्यों की ओर हर्ष के साथ अग्रसर करती है। इसी प्रसन्नता और तत्परता को देख लोग कहते हैं कि वे काम बड़े उत्साह से किये जा रहे हैं। यदि किसी मनुष्य को बहुत सा लाभ हो जाता है या उसकी कोई बड़ी भारी कामना पूर्ण हो जाती है तो जो काम उसके सामने आते हैं उन सबको वह बड़े हर्ष और तत्परता के साथ करता है। उसके इस हर्ष और तत्परता को भी लोग उत्साह ही कहते हैं।

7) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' आत्मकथा से पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश के आधार पर लेखक के बचपन की घटनाओं का वर्णन कीजिए।।

8) 'आखिरी चट्टान तक' में वर्णित यात्रा के अनुभवों पर प्रकाश डालिए।

9) 'महाभारत की एक साँझ' का एकांकी के तत्वों के आधार पर मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड – 'स' **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की मूल संवेदना स्पष्ट करते हुए उसके केन्द्रीय पात्र 'ध्रुवस्वामिनी' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

11) रामविलास शर्मा के आलोचनात्मक निबंध 'तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य' का प्रतिपाद्य लिखिए।

12) महादेवी वर्मा के 'घीसा' नामक संस्मरण के आधार पर घीसा का चरित्रांकन कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (250 शब्दों में)

(i) जीवनी एवं आत्मकथा में अंतर

(ii) नाटक के तत्व

(iii) 'उत्साह' निबंध का सार

(iv) ललित निबंध का स्वरूप एवं विकास